1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रूपये ONE THOUSAND RUPEES

4000

रामसुख Identified A. P. Pandey Advocate

विक्रय पत्र

मै कि राम सुख पुत्र स्व० राम चरन निवासी मुबारक पुर कोटवा पो० बेगम सराय तहसील सदर जनपद इलाहाबाद का हूँ।

जो कि मुकिर आराजी भूमिधरी स० १०० एक सौ स्थित मौजा रहीमाबाद परगना व तहसील सदर जनपद इलाहाबाद रकबा ३ तीन बीघा ४ चार बिस्वा ८ धुर के १।४भाग का मालिक वकाबिज व भूमिधर है जो कि हर तरह के भार व ऋण से मुक्त है मेरा अन्य हिस्सेदारो से अभी बटवारा नही हुवा है मुझको जरुरत रुपये की वास्ते खर्च खानगी के है तथा अपने १।४ भाग (अपने सम्पूर्ण) भाग १६ बिस्वा २ धुर को बेचने के अलावा रुपया पाने का दूसरा साधन नजर नहीं आया जिसका उचित दाम मु० ८0000) अस्सी हजार रु० डा०दीना नाथ तिवारी पुत्र स्व०

रामसुख

१०००/-

८-८-२०००

ता० .... २०० ई० को डॉ० दीनानाथ तिवारी अध्यक्ष अल्पसंख्यक [illegible]

निवासी १८ A आकलैण्ड रोड जिला इला०

को स्टाम्प विक्रय किया नम्बर ३९९

स्टाम्प विक्रेता पन्नी लाल जायसवाल

दीवानी कचेहरी परिसर इलाहाबाद

ला० न० ४३४ [illegible]

[illegible] १०००० / ९९०००

१७८०८ १८०० [illegible]

[illegible] जिला इलाहाबाद [illegible] ११-८-२००० [illegible]

रामसनेही

[illegible] ११-८-२०००

[illegible]

रामसनेही

[illegible] ११-८-२०००

1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रु.　Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रूपये ONE THOUSAND RUPEES

विष्णु भगवान तिवारी सा० १८ ए० आकलैन्ड रोड शहर इलाहाबाद अध्यक्ष उत्थान सतत विकास एवम् गरीबी उन्मूलन केन्द्र न० १८ ए० आकलैन्ड रोड इलाहाबाद देने को तैयार हुये. लिहाजा मैने जरिये एकरार नामा रजिस्टरी शुदा दि० ६-७-२००० अपने हिस्सा की भूमि उपरोक्त को बेचने का मुआहिदा मु० ८0000 रु० मे वहक उक्त डा० दीना नाथ तिवारी कर लिया है एकरार नामा का इन्द्राज बही (प्रति पुस्तक) स० १ खन्ड १२०७ पन्ना ६३।७२ क्रम स० ४७८२ पर दि० ६-७-२००० को अंकित है जिसमे ५000 रु० का स्टाम्प लगा है अब मुकिर बयनामा भूमि उपरोक्त का उक्त क्रेता के हक मे कर रहा है ।

अत: मैने अपने राजी व खुशी से बिना किसी के धमकाये व बहकाये व अपने होश हवास मे भूमि उपरोक्त को जिसका पूरा विवरण नीचे दिया गया है बएवज मु० ८0000) अस्सी हजार रु० मे जिसका आधा ४0000) चालीस हजार रु० होता है वहक डा० दीना नाथ तिवारी पुत्र स्व० विष्णु भगवान तिवारी सा० १८ ए० आकलैन्ड रोड इलाहाबाद अध्यक्ष उत्थान सतत विकास एवम् गरीबी उन्मूलन केन्द्र न० १८ ए० आकलैन्ड रोड इलाहाबाद के

रामसुरत

१८००९

ता० ८-८-2000 २०० के ध० डा० दीनानाथ तिवारी अध्यक्ष उत्थान संस्था विकास एवं ग्रा० उ० केन्द्र

निवासी १८बी आवास ... जिला इला०

को स्टाम्प विक्रय किया नम्बर 322

स्टाम्प विक्रेता बख्शी लाल जायसवाल

दीवानी कचेहरी परिसर इलाहाबाद

ला० न० ४७४

1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

हक मे बेच दिया तथा क्य कामिल कर दिया और कुल विक्रय मूल्य क्रेता से इस तरह से प्राप्त किया कि मु० १०००० रु० दस हजार रु० बयाना एकरार नामा के समय प्राप्त किया तथा ७००००) सत्तर हजार रु० बाद मे क्रेतासे नगद प्राप्त कर लिया है इस तरह से कुल विक्रय मूल्य मुझे क्रेता से मिल गया है अब कुछ पाना शेष नही रहा। विक्रेता ने विक्रीत भूमिसे अपना कब्जा व दखल हटा कर, क्रेता उपरोक्त को विक्रीत भूमि पर मालिकाना काबिज व दखील करा दियाहै क्रेता विक्रीत भूमि का मालिक व काबिज व भूमिधर हो गया है उसको अधिकार है कि विक्रीत भूमि को जिस तरह से चाहे अपने उपभोग मे लावे तथा जिस तरह से चाहे हस्तान्तरितकरे और अपना नाम दर्ज कागजात सरकारी करा लेवे अब कोई हक व हिस्सा मेरा तथा मेरे वारिसान व कायम मुकामान का विक्रीत भूमि मे शेष नही रहा। यदि मेरे स्वामित्व दोष के कारण विक्रीत भूमि कुल या जुज क्रेता व उसके वारिसान व कायम मुकामान के कब्जा से निकल जावे तो कुल विक्रय मूल्य तथा नुकसान वहानि की जिम्मेदारी मुझ पर तथा मेरे जात व जायदाद हर किस्म पर तथा मेरे

रामसुरन

१०००/-

ता० ८-८-2000 200 ई० श्री डा० दीनानाथ तिवारी अध्यक्ष उत्थान सतत विकास एवं शो० केन्द्र
निवासी १८ ए आलनगंज इला० जिला इला०
को स्टाम्प विक्रय किया नम्बर 393
स्टाम्प विक्रेता दरबारी लाल जायसवाल
दीवानी कचेहरी परिसर इलाहाबाद
ला० नं० ४७४ [signature]

1000Rs.

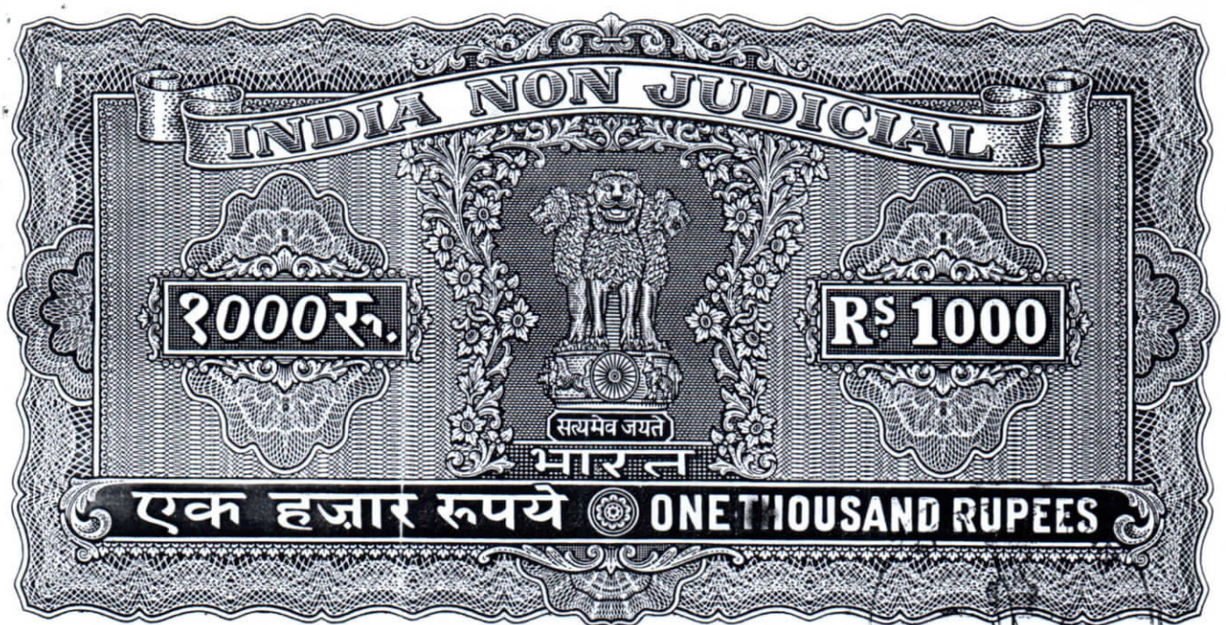

INDIA NON JUDICIAL

१०००रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

- 4 AUG 2000

वारिसान व कायम मुकामान पर रहेगी विक्रीत भूमि कृषि योग्य भूमि है तथा इसमे खेतीहोती हैजो सरकिल नं० ५ मे है किस्म जमीन हार १ असिंचित है तथा सरकारी मूल्य १८००००) प्रति एकड़ के दर से मालियत ८६००० रु० है जिस पर ८६०० रु० का स्टाम्प देय है एकरार नामा मे लगे ५०००) के स्टाम्प मे से ४६०० रु० का स्टाम्प मुजरा करने पर अब स्टाम्प ४००० रु० का लगाया जा रहा है जो कि सही तथा उचित है ।

लिहाजा यह बयनामा पूर्ण रूप से लिख दिया कि सनद रहे तथा समय पर काम आवे।

विवरण भूमि

भूमिधरी आराजी नं० १०० एक सौ रकबा ३ तीन बीघा ४चार बिस्वा (८ धुर) स्थित मौजा रहिमाबाद परगना व तहसील सदर जनपद इलाहाबाद का १।४ हिस्सा (अपना सम्पूर्णभाग) रकबा १६ सोलह बिस्वा २ दो धुर भूमि बेच दिया । लगान व हिस्सा फाटबन्दी खाता ।

टाईप कर्ता [signature] अहाता दीवानी कचहरी इलाहाबाद

मसविदा कर्ता Anand Prakash Pandey Advocate

दि० ६-८-२००० ई०

नोट- पन्ना ३के सतर१६ व पन्ना ४के सतर११मे ८धुर सतर के ऊपर टाईप है ।

विक्रेता रामसुरव

गवाह वीरेन्द्र कुमार त्रिपाठी 102 जी/3 बेनीगंज इलाहाबाद

गवाह [illegible]

१०००)
2-2-2000

ला० .... २०० के प्र० डा० दीना नाथ तिवारी अध्यक्ष अनुसंधान [illegible]

निवासी [illegible] जिला इला०

को स्टाम्प विक्रय किया नम्बर 398

स्टाम्प विक्रेता नवली लाल जायसवाल

दीवानी कचेहरी परिसर इलाहाबाद

ला० नं० ४३४ [illegible]

वा०सं० 507
[illegible]
डा० दीना नाथ तिवारी
बनाम
[illegible]

11-10-2000
2276
5964
143
150

N.F.S.
उ०ज० 3417/507
[illegible] -16-6-2001
R-6(2)
512
[illegible]
16-6-2001

100 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१०० रु. Rs 100

सत्यमेव जयते

भारत

एक सौ रुपये ONE HUNDRED RUPEES

राम सुख

तितिम्मा

मै कि राम सुख पुत्र स्व0 राम चरन निवासी मुबारक पुर कोटवा पो0 बेगम सरायं तहसील सदर जनपद इलाहाबाद ----- प्रथमपक्ष विक्रेता

व

उत्थान सेन्टरफार सस्टेनेबिल डेवलपमेन्ट एन्ड पावर्टी एलीविएशन (उत्थान सतत विकास एवं गरीबी उन्मूलन केन्द्र) न0 18 ए0 आकलेन्ड रोड इलाहाबाद जरिये अध्यक्ष डा0 दीना नाथ तिवारी पुत्र स्व0 विष्णु भगवान तिवारी निवासी न0 18 ए0 आकलेन्डरोड इलाहाबाद

--- द्वितीय पक्ष क्रेता

जो कि प्रथम पक्ष विक्रेता ने आराजी भूमिधरी न0 100 एक सौ रकबा 3 तीन बीघा 4 चार बिस्वा 8 आठ धूर स्थित मौजा रहीमाबाद परगना व तहसील सदर जनपद इलाहाबाद का 1/4 भाग अपना सम्पूर्ण हिस्सा रकबा 16 बिस्वा 2 धूर को जरिये बयनामा रजिस्टरी शुदा दि0 9-8-2000 ई0 मुसद्दका 11-8-2000 ई0 फोटो प्रति पुस्तक स0

राम सुख

Reiwa 16/11/2002

ता०............माह..................ई० ह०

श्री ......उस्मान सेन्टर फार स०50 603 पा०डाक्टरी दीनानाथ तिवारी

निवासी......18 A......ता०......जिला......

के हाथ स्टाम्प बेचा हस्ताक्षर शिव मोहन

अमहटी सिविल कोर्ट इला० ला० नं० ५०८

रजिस्टर नं० ......401......निवास स्थान ८५ न्यू

ममफोर्डगंज; इला०

शिव मोहन अमहटी
ला० नं० 508
सिविल कोर्ट, इला०

श्रीमती/श्री ......रामसुख

पत्नी/पुत्र श्री ......स्व० रामचरन

निवासी ......मुबारकपुर कोतवा सदर इलाहाबाद

ने ......उप निबन्धक सदर ...... इलाहाबाद

ई आज दिनांक 20/11/02 ...... 12 ......

रामसुख

उप निबन्धक 20/11/02
सदर-इलाहाबाद

धीरेन्द्र कुमार
स्व० शम्भू नाथ
बेनीगंज इलाहाबाद

जुनैद
मोईनुद्दीन
गौसनगर करेली इला०

...पत्र को संविदा ...
पश्चात ...
प्राप्ति ...
पूरी ...
उक्त श्री रामसुख उक्त.

रामसुख

उप निबन्धक 20/11/02
सदर, इलाहाबाद

धीरेन्द्र कुमार

जुनैद

दुकान की पहचान के साक्षी
जो प्रत्यक्षत: ...

M.B.E.
सोनू

Approved 20/11/02

20/11/02

1Re

1 खन्ड 2276 पन्ना 143 से 150 क्रम स0 5964 क्रेता द्वितीय पक्ष के हक मे बेचा है लेकिन बयनामा मे गलती से अध्यक्ष का नाम पहले टाइप हो गया है तथा संस्था क्रेता का अंग्रेजी नाम लिखना छूट गया है जिसका सही होना अति अति आवश्यक है। अत: प्रथमपक्ष यह तितिम्मा तहरीर कर के एकरार करता है कि भूमि उपरोक्त वहक द्वितीय पक्ष क्रेता उत्थान सेन्टरफार सस्टेनेबिल डेवलपमेन्ट एन्ड पावर्टी एलीविएशन (उत्थान सतत विकास एवं गरीबी उन्मूलन केन्द्र) 18 ए0 आकलेन्ड रोड इलाहाबाद द्वारा अध्यक्ष श्री डा0दीना नाथ तिवारी पुत्र श्री स्व0 विष्णु भगवान तिवारी निवासी 18ए0 आकलेन्डरोड इलाहाबाद के हक मे बेची गयी है और इस भूमि के स्वामी व मालिक उक्त क्रेता उत्थान सेन्टर फार सस्टेनेबिल डेवलपमेन्ट एन्ड पावर्टी एलीविएशन (उत्थान सतत विकास एवं गरीबी उन्मूलन केन्द्र) 18 ए0 आकलेन्ड रोड इलाहाबाद है। लिहाजा यह तितिम्मा लिख दिया कि सनद रहे तथा समय पर काम आवे।

विवरण आराजी

भूमिधरीआराजी न0 100 एक सौ रकबा 3 तीन वीधा 4 चार विस्वा आठधूर स्थित मौजा रहीमाबाद परगना व तहसील सदर जनपद इलाहाबाद का 1|4भाग (अपना सम्पूर्ण भाग) रकबा 16 सोलह विस्वा 2 दो धूर।

टाइप कर्ता आलोक श्रीवास्तव   मसविदा कर्ता सुरेश नारायण त्रिपाठी एड0 दिवानी कचेहरी इलाहाबाद

ता018-11-2002 ई0

राम सुरेश
प्रथमपक्ष

गवाह न01 धीरेन्द्र कुमार
पुत्र स्वर्गीय शम्भू नाथ
102 सी/3 बैनीगंज
इलाहाबाद

[illegible]
द्वितीय पक्ष

गवाह न0 2 जुनैद
पुत्र मोइज उद्दीन
गौसपुर कटहुला

Rel/- 16/11/2002

ता० .... माह .... ई० २० [illegible]

श्री [illegible] जिला इलाहाबाद

निवासी 18 [illegible] ता० .... जिला इलाहाबाद

के हाथ स्टाम्प वेन्डर लाइसेंसदार शिव मोहन

कचहरी [illegible] इला० ला० नं० ५०८

रजिस्टर नं० 412 [illegible] स्थान ८५ नं०

कम्पोजिट: इला०

S. M. Agrawal

लेख पत्र को सुनने व समझने के पश्चात [illegible] के निष्पादन एवं प्राप्ति अंकन रु० .... को .... पूर्ण तथा .... रु० .... प्राप्त कर उक्त श्री [illegible] ने स्वीकार किया।

[illegible] 18 [illegible]

जिनकी पहचान श्री [illegible]

पुत्र श्री [illegible]

निवासी 102 [illegible]

तथा श्री [illegible]

पुत्र श्री [illegible]

निवासी [illegible]

जिला इलाहाबाद ने की।

उप निबन्धक
सदर, इलाहाबाद
22.11.2

आज दिनांक 23-11-02 को

पुस्तक संख्या 1 खण्ड 3575

281 के पृष्ठ .... पर क्रम संख्या 10460

284 पर रजिस्ट्रीकृत किया गया।

उप निबन्धक
सदर, इलाहाबाद

[illegible]

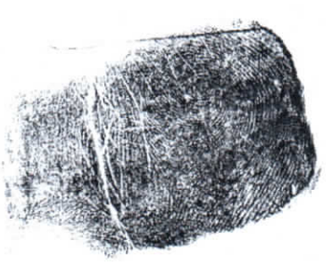

मुंशिरान की पहचान के साक्षियों की प्रत्यक्ष [illegible] निशान अंगूठा [illegible] लिए गए।

उप निबन्धक
सदर इलाहाबाद
23.11.2

[illegible] 347/807
ता० [illegible] 14/03
R.6 (ii) 515/9
19/4 [illegible]